

66

22

0

+

00

0'

0

0

X

|



iii:



Shall I compare thee to a summer's day?  
Thou art more lovely and more temperate.  
Rough winds do shake the darling buds of May,  
And summer's lease hath all too short a date.

Sometime too hot the eye of heaven shines,  
And often is his gold complexion dimmed;  
And every fair from fair sometime declines,  
By chance or nature's changing course untrimmed.

But thy eternal summer shall not fade,  
Nor lose possession of that fair thou ow'st;  
Nor shall Death brag thou wand'rest in his shade,  
When in eternal lines to time thou grow'st.

So long as men can breathe, or eyes can see,  
So long lives this, and this gives life to thee.



“Contents

01	
02	
03	
04	
05	
06	
07	
08	
09	
10	
11	
12	
13	
14	
15	



“chapter

01

---

---

---

---

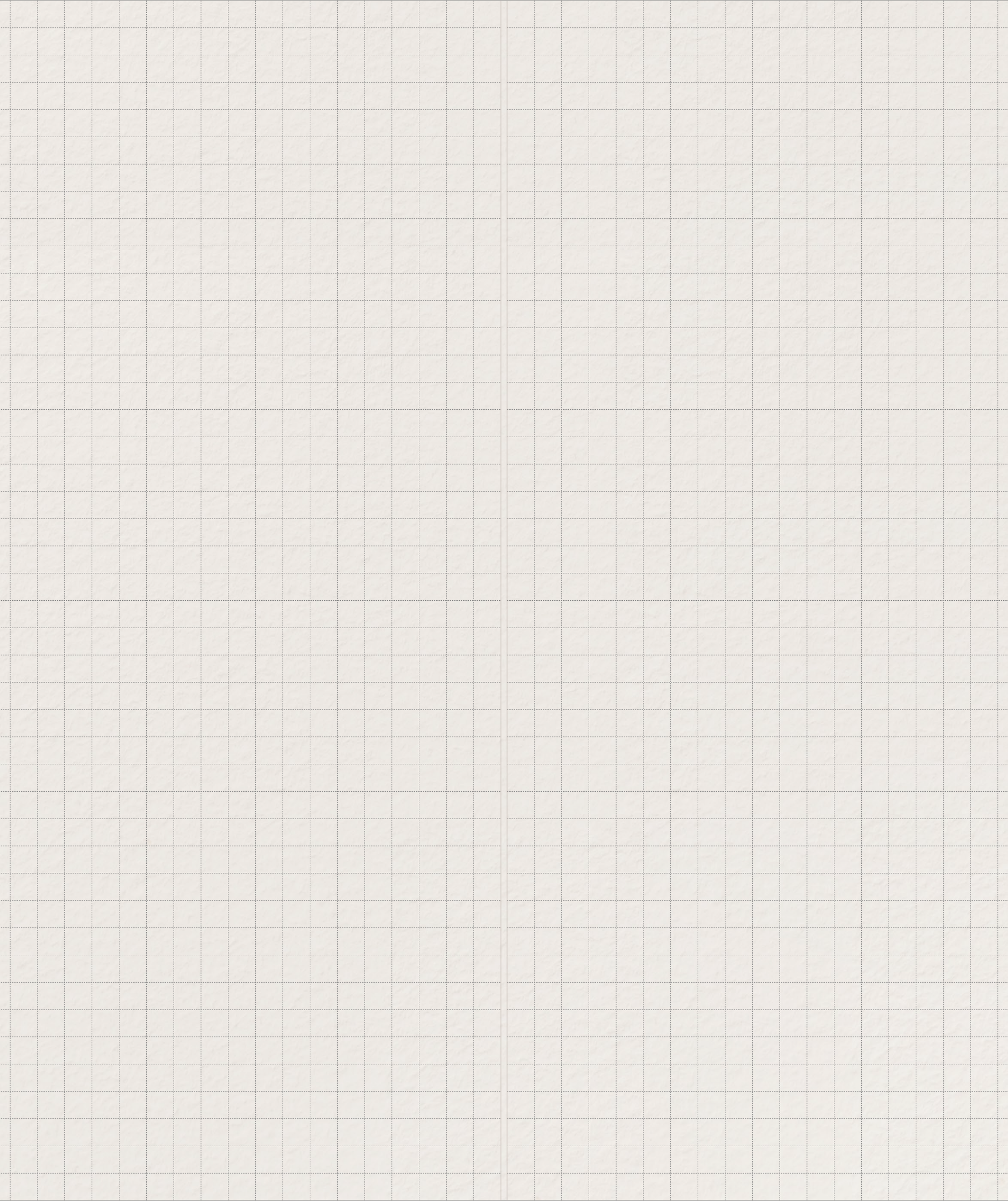
---

---

---



“





“chapter  
02

---

---

---

---

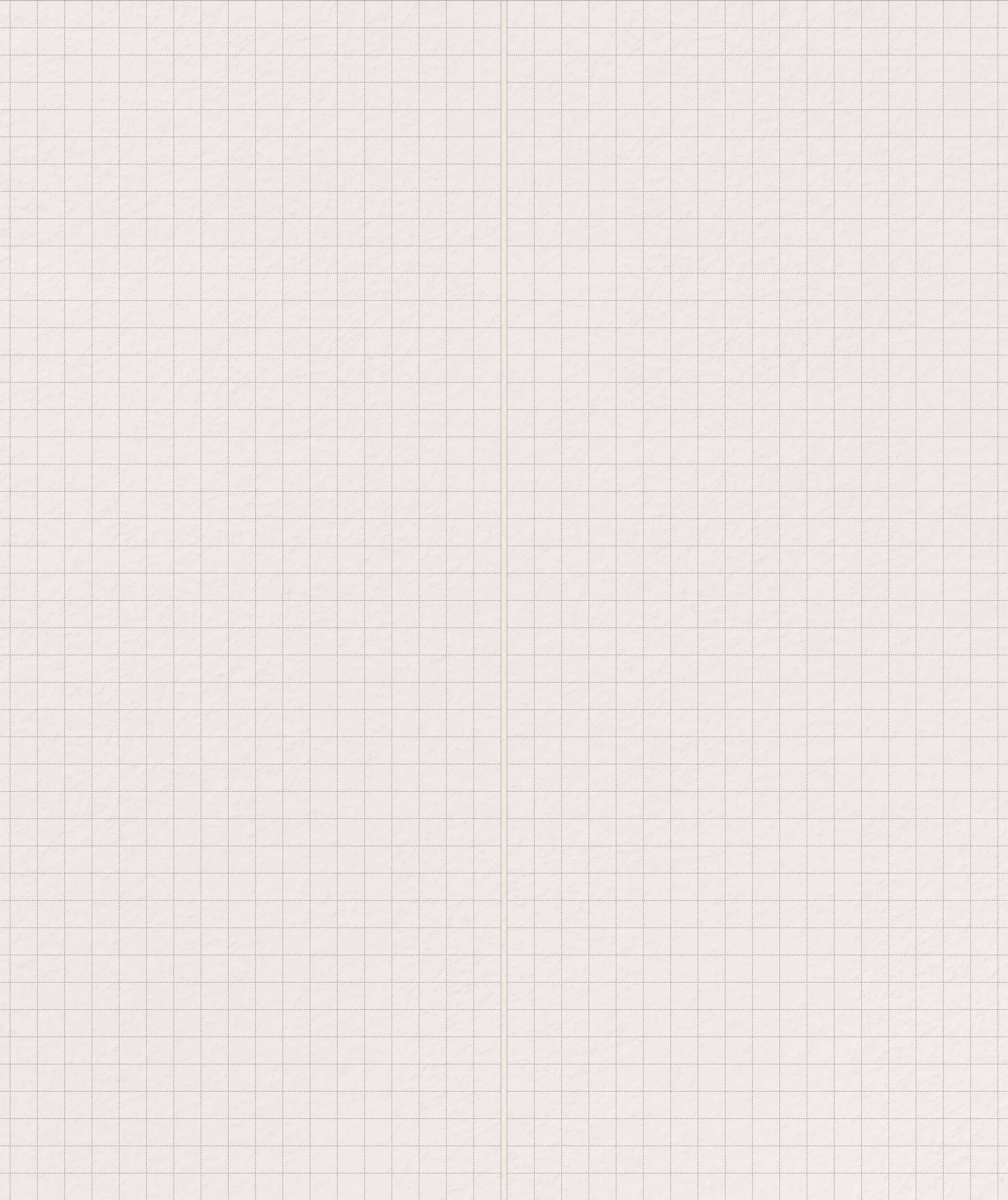
---

---

---



“





“chapter  
03

---

---

---

---

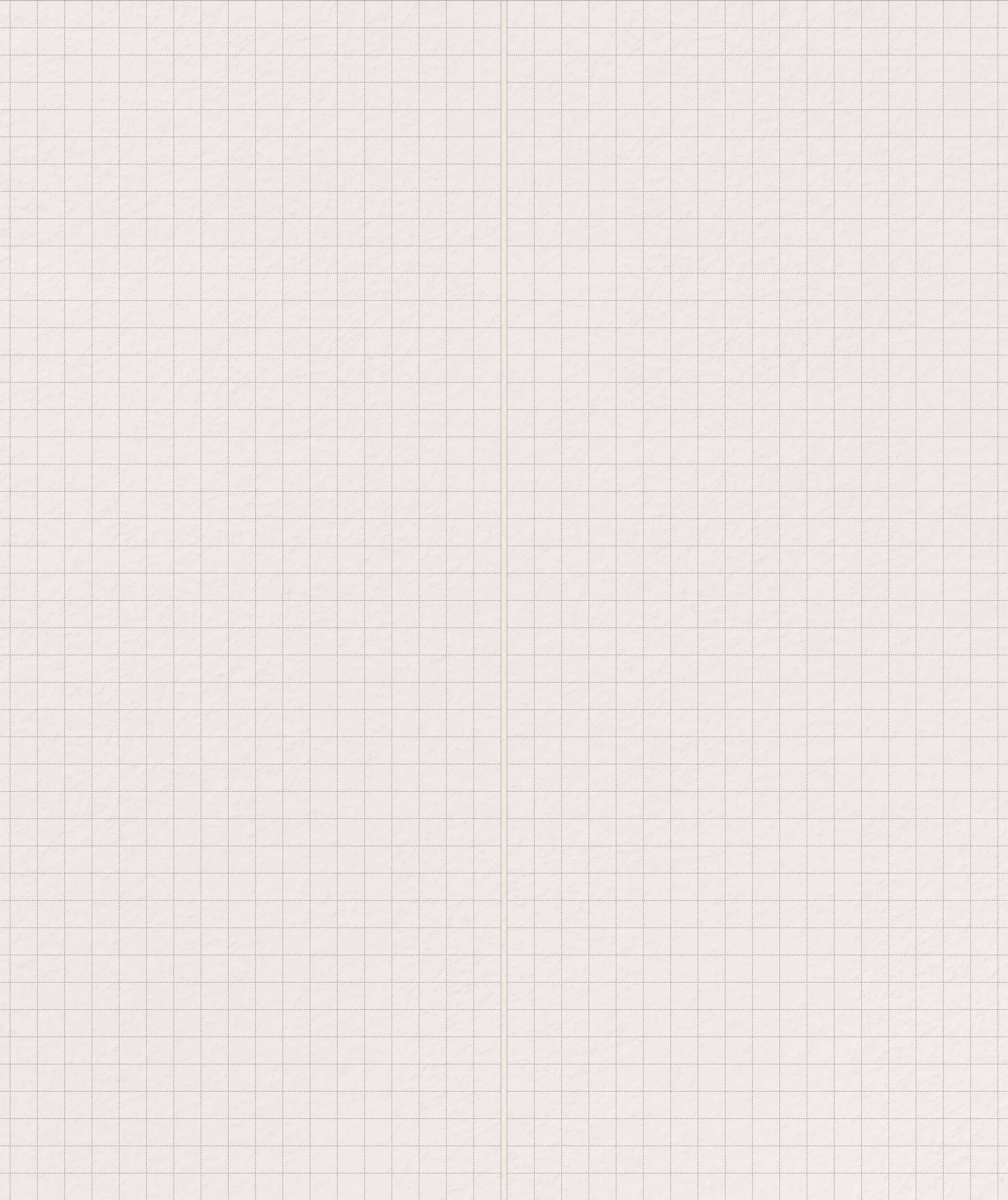
---

---

---



“





“chapter

04

---

---

---

---

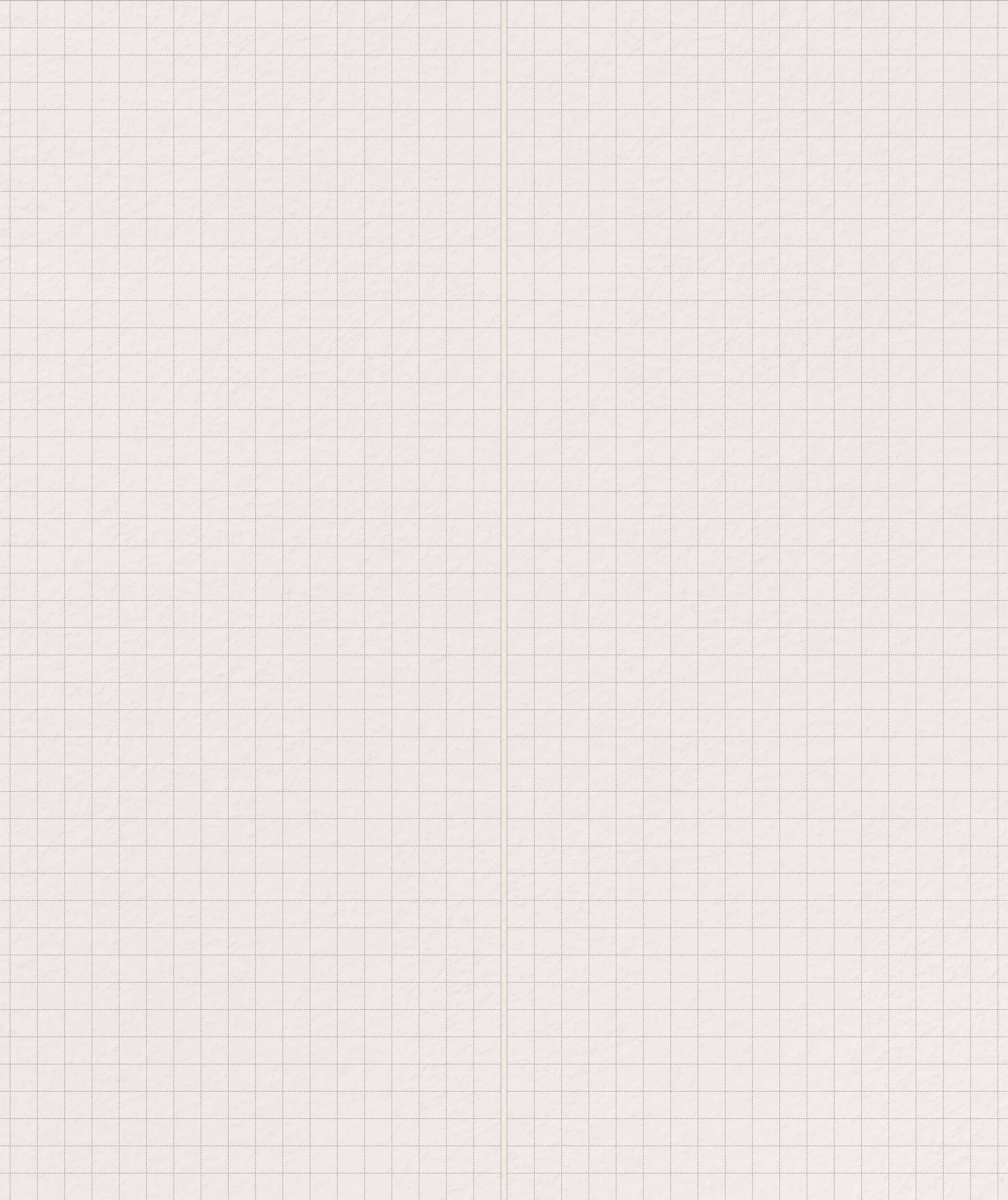
---

---

---



“





“chapter  
05

---

---

---

---

---

---

---



“



“chapter  
06

---

---

---

---

---

---

---



“



“chapter  
07

---

---

---

---

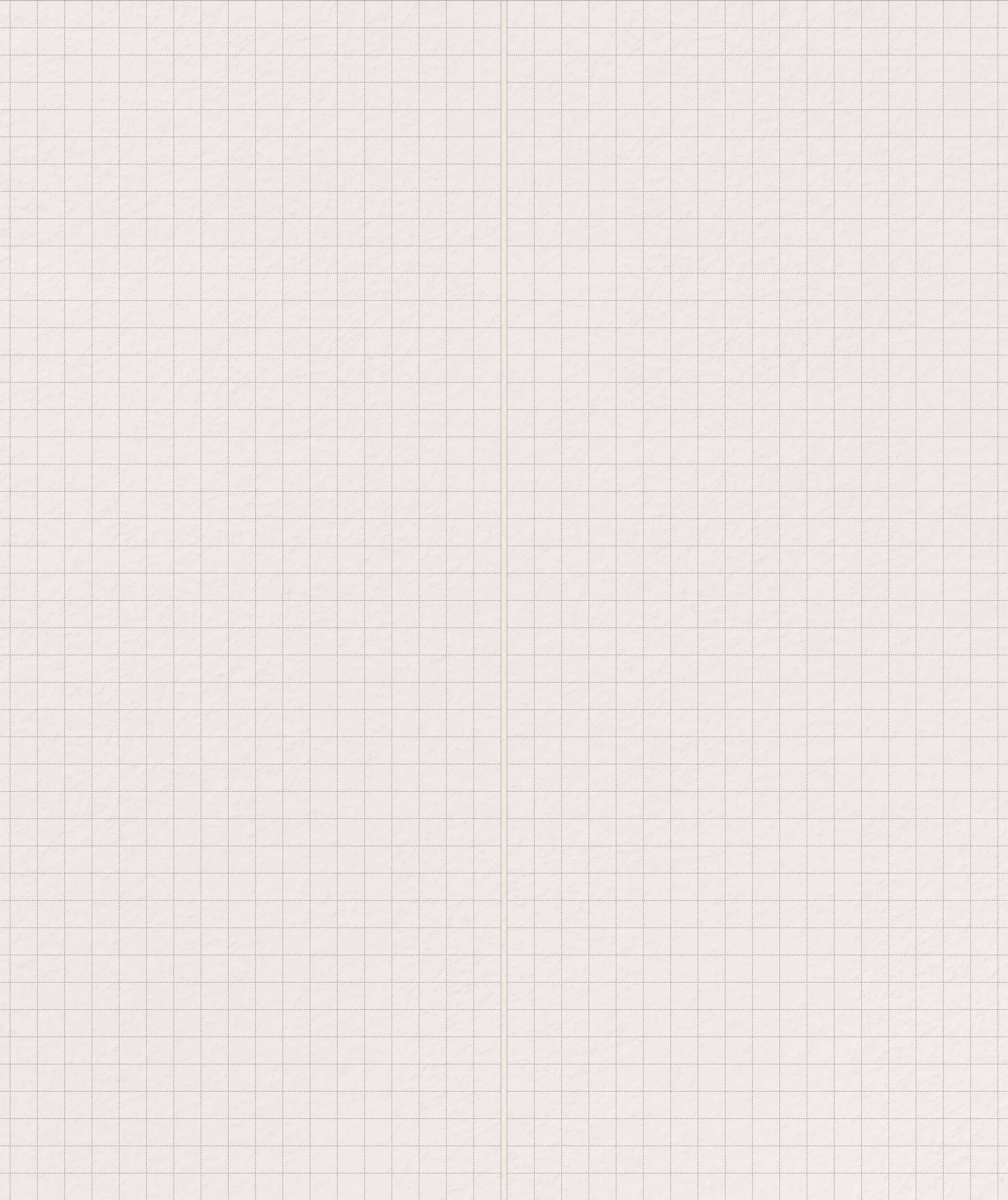
---

---

---



“





“chapter

08

---

---

---

---

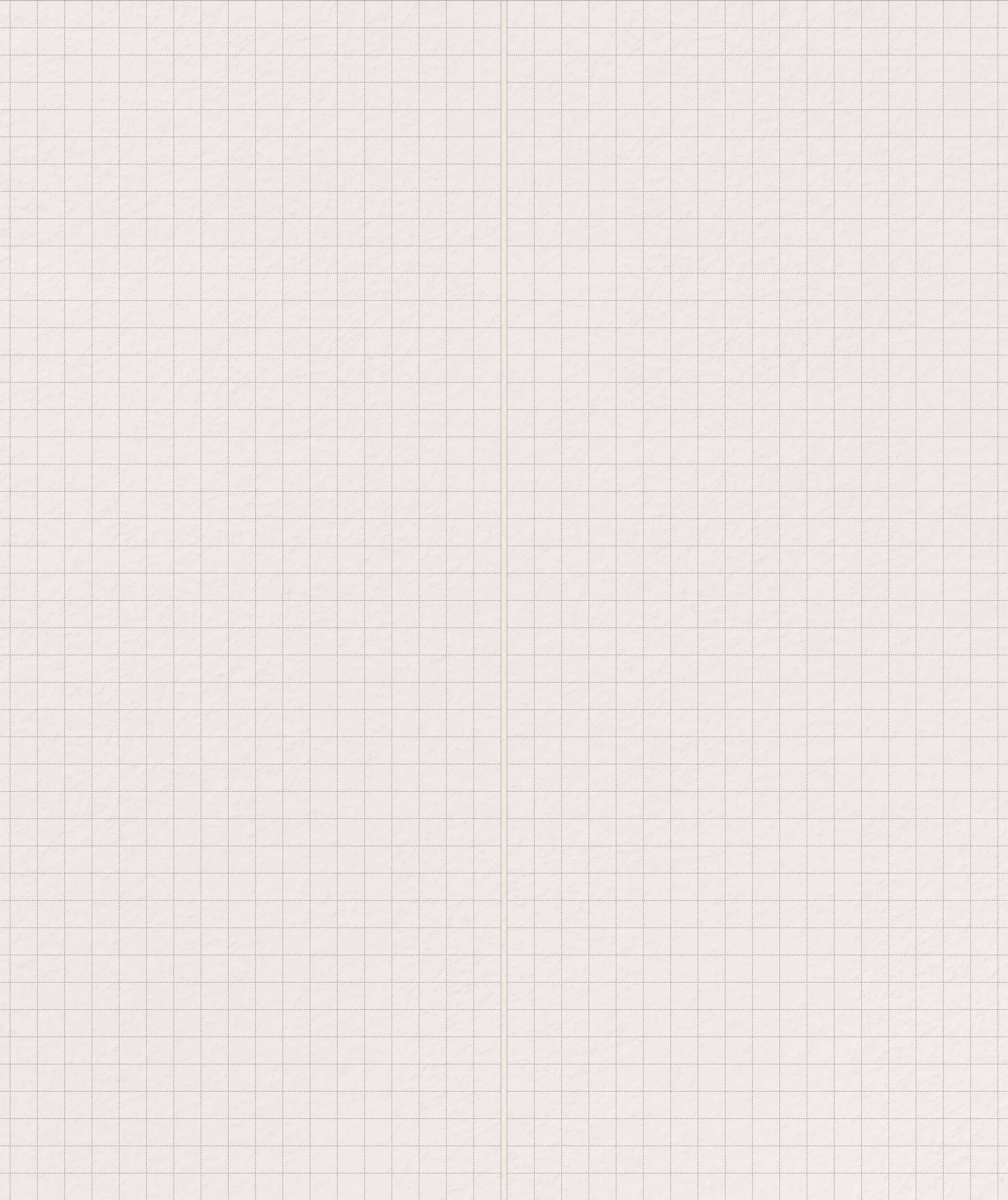
---

---

---



“





“chapter

09

---

---

---

---

---

---

---



“



“chapter  
10

---

---

---

---

---

---

---



“



“chapter

11

---

---

---

---

---

---

---



“



“chapter  
12

---

---

---

---

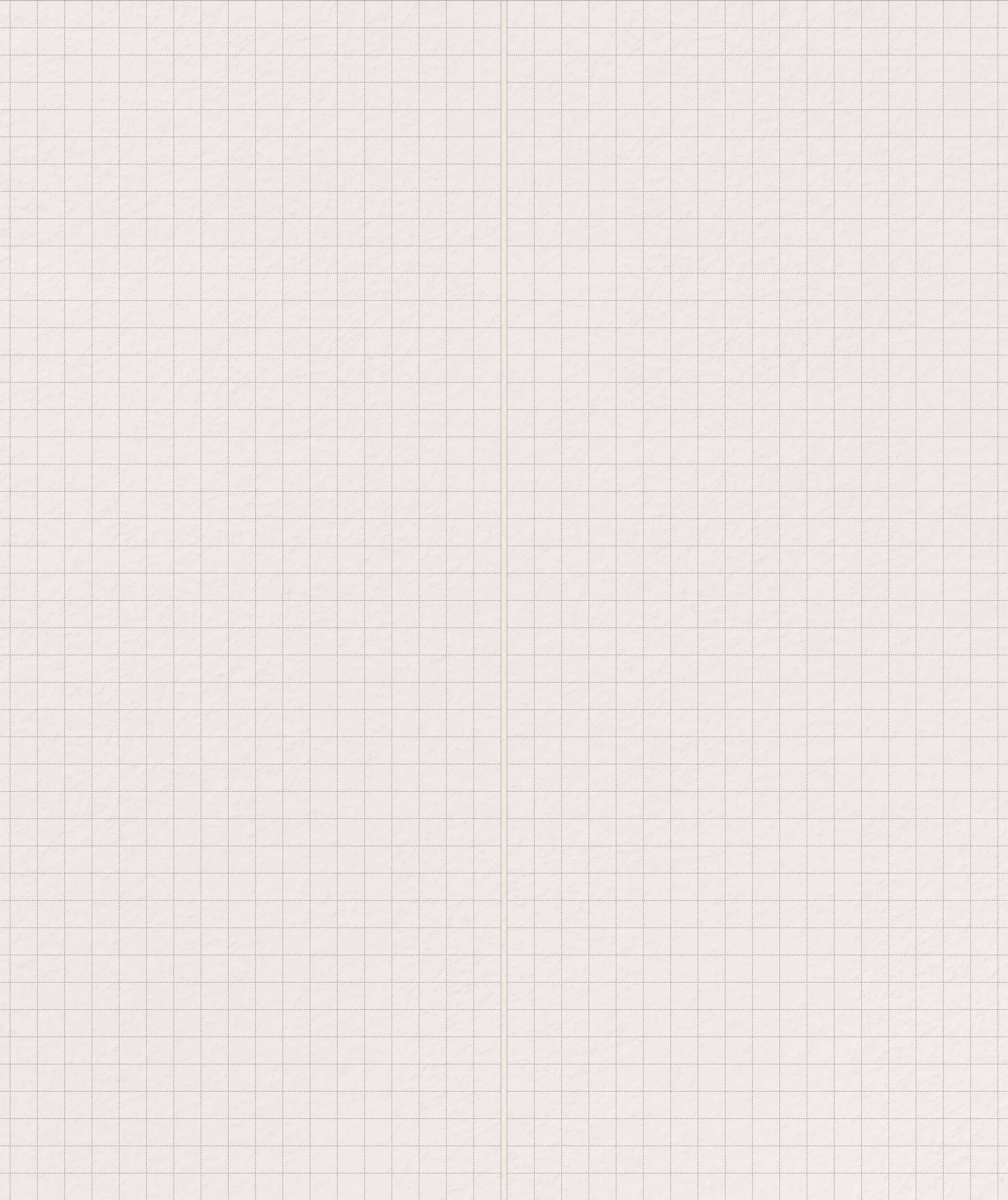
---

---

---



“





“chapter  
13

---

---

---

---

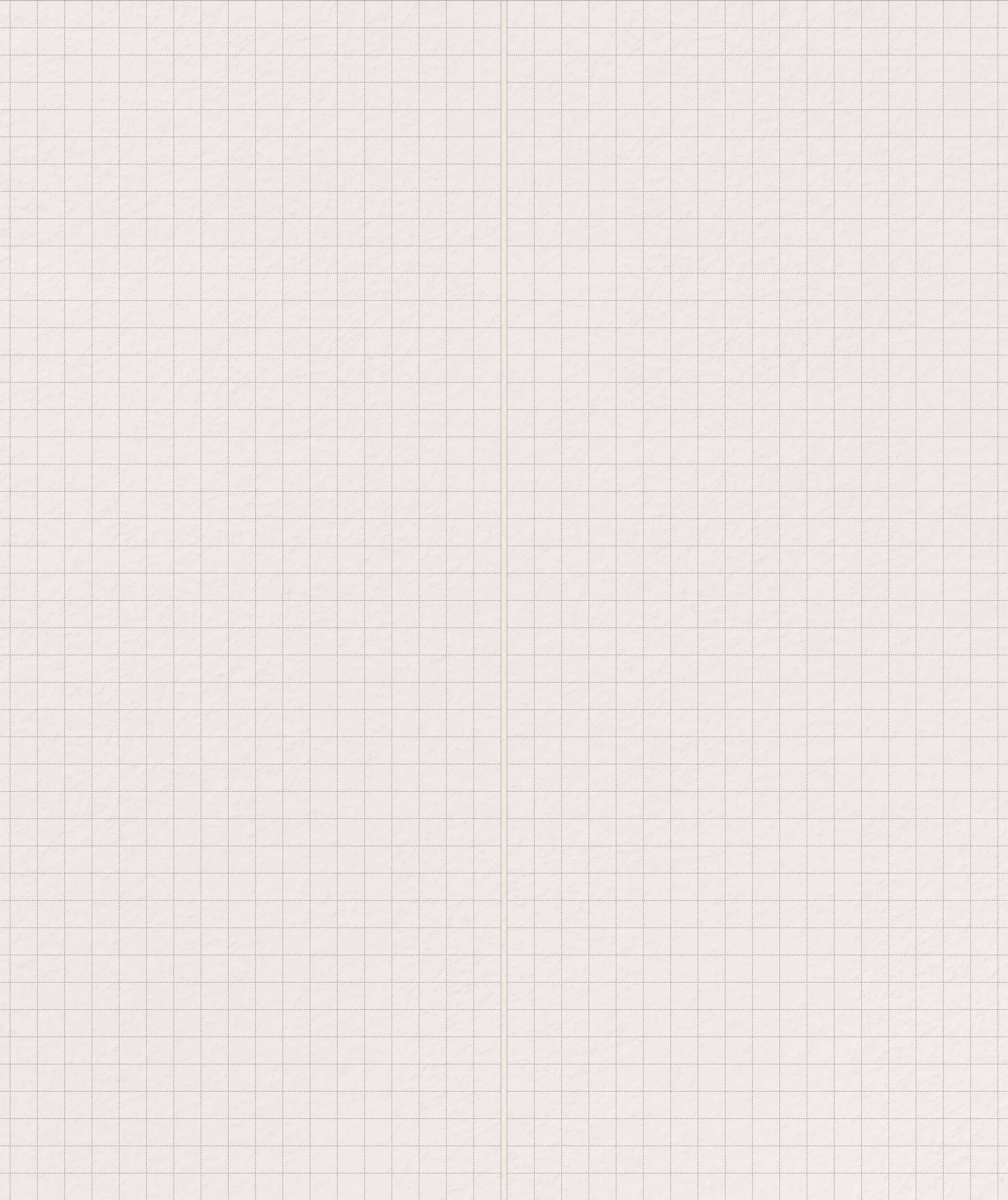
---

---

---



“





“chapter

14

---

---

---

---

---

---

---



“



“chapter  
15

---

---

---

---

---

---

---



“